an>

Title: Felicitations to Hon'ble Speaker.

प्रधान मंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी): आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, इस सदन के सभी सदस्यों के लिए यह अत्यंत हर्ष और गर्व का समय है, आपको इस पद पर आसीन होते हुए देखने का । इस सदन में पुराने सभी सदस्य आपसे भली भांति परिचित हैं । विधायक के रूप में भी राजस्थान में आपने जो सक्रिय भूमिका अदा की है, उससे भी राजनीतिक जीवन से जुड़े हुए लोग परिचित हैं । हम सबके लिए गर्व का विषय है कि स्पीकर पद पर आज एक ऐसे व्यक्तित्व का हम अनुमोदन कर रहे हैं, सर्वसम्मति से उनको स्वीकृति दे रहे हैं जो सार्वजनिक जीवन में विद्यार्थी काल से, छात्र संगठनों से जुड़ते हुए, यूनिवर्सिटी की छात्र गतिविधि का नेतृत्व करते हुए जीवन का सर्वाधिक उत्तम समय किसी भी प्रकार के ब्रेक के बिना अखंड अविरत समाज जीवन की किसी न किसी गतिविधि से जुड़ा रहा । भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में भी, छात्र आंदोलन से निकलकर युवा मोर्चा के संगठन में करीब 15 साल तक आपने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर काम किया । मुझे सालों तक संगठन का कार्य करने का अवसर मिला है, उसके कारण मेरे एक साथी के रूप में भी हम दोनों को साथ में काम करने का अवसर मिला ।

कोटा वह धरती है जो एक प्रकार से आजकल शिक्षा का काशी बन गया है । जिनके भी दिल-दिमाग में कैरियर की प्राथमिकता है, वह कोटा को पसंद करता है, कोटा में रहेगा, कोटा में पढ़ेगा और कोटा से अपनी जिंदगी बनाता है । राजस्थान के एक कोने का एक छोटा-सा शहर आज एक प्रकार से लघु भारत बन गया है । कोटा का यह परिवर्तन जिस नेतृत्व के सामने हुआ है, जिसके योगदान से हुआ है, जिसके इनिशिएटिव से हुआ है, वह नाम है श्रीमान ओम बिरला जी । आमतौर पर राजनीतिक जीवन में हम लोगों की एक छवि बनी रहती है कि हम 24 घंटे राजनीति करते हैं, उठा-पटक करते हैं, तू-तू, मैं-मैं करते

हैं, कौन हारे, कौन जीते, इसी में लगे रहते हैं, लेकिन उसके अलावा एक सच्चाई होती है जो कभी-कभी उजागर नहीं होती है ।

वर्तमान में देश ने अनुभव किया है कि राजनीतिक जीवन में जितना अधिक मात्रा में सामाजिक सेवा का प्रपोर्शन रहता है, समाज में स्वीकृति ज्यादा मिलती है । हार्डकोर पॉलिटिक्स का जमाना करीब-करीब चला जा रहा है । ओम बिरला जी वह शख्सियत हैं, जनप्रतिनिधि के नाते राजनीति से जुड़ना बड़ा स्वाभाविक था, लेकिन उनकी पूरी कार्य शैली समाज सेवा पर केन्द्रित रही है । समाज में जीवन की कहीं पर भी पीड़ा अगर उनको नजर आई, तो वे पहले पहुंचने वाले व्यक्तियों में से रहे ।

मुझे बराबर याद है, जब गुजरात में भयंकर भूकम्प आया, बहुत लम्बे अरसे तक वे कच्छ में रहे । अपने इलाके के युवा साथियों को लेकर आए । स्थानीय कोई व्यवस्था का उपयोग न करते हुए, अपनी व्यवस्थाओं को, जो भी उपलब्ध थीं, उसके आधार पर उन्होंने लम्बे अरसे तक सेवा का काम किया । जब केदारनाथ का हादसा हुआ, तो वे फिर उत्तराखण्ड में नजर आए । वहां भी अपनी टोली लेकर समाज सेवा के काम में लग गए । कोटा में भी अगर किसी के पास ठण्ड के सीजन में कम्बल नहीं है, तो रातभर कोटा की गलियों में निकलना, जन-भागीदारी से गर्म कम्बल वगैरह इकट्ठा करना और उनको पहुंचाना । उन्होंने एक व्रत लिया था । सार्वजनिक जीवन में हम सभी सांसदों के लिए कभी-कभी वह प्रेरणा देता है । उनका व्रत था कि कोटा में कोई भूखा नहीं सोएगा । वे एक ‘प्रसादम्’ नाम की योजना चलाते थे । उस ‘प्रसादम्’ योजना के तहत जन-भागीदारी से भूखे लोगों को ढूंढ़-ढूंढ़कर उनको खाना खिलाना, यह उनका रेग्युलर काम बन गया । उसी प्रकार से जो गरीब हैं, दुःखी हैं, उनके पास अगर पूरे कपड़े नहीं हैं, तो उनके लिए उन्होंने ‘परिधान’ योजना बनाई । उस ‘परिधान’ मूवमेंट के आधार पर वे जन-भागीदारी से सामाजिक संवेदना से लगातार जुड़े रहकर, अगर किसी के पास जूते नहीं हैं, तो जन-भागीदारी से जूते इकट्ठा करना, गर्मी के सीजन में उसको जूते पहना देना । अगर कोई बीमार है, कहीं रक्तदान का काम जरूरी है, कहीं अस्पताल में और सेवाएं देनी हैं, एक प्रकार से उन्होंने अपनी राजनीति का केन्द्रबिंदु जन-आंदोलन से ज्यादा जनसेवा

को बनाया । ऐसे एक संवेदनशील व्यक्ति आज जब स्पीकर पद पर हम सबको अनुशासित करेंगे, वहीं हमें अनुप्रेरित भी करेंगे और उसके द्वारा यह सदन देश को उत्तम से उत्तम दे पाए, एक कैटलिटिक एजेंट के रूप में, एक पदासीन की जिम्मेदारी के रूप में और सालों की सामाजिक संवेदना वाली जिंदगी जीने के कारण, मुझे विश्वास है कि उत्तम तरीके से इन चीजों को कर पाएंगे ।

सदन में भी हमने देखा है कि वे मुस्कराते हैं तो भी बड़े हल्के से मुस्कराते हैं, वे बोलते हैं तो भी बड़े हल्के से बोलते हैं । इसलिए सदन में, मुझे कभी-कभी डर लगता है कि उनकी जो नम्रता है, विवेक है, कहीं कोई उसका दुरुपयोग न कर दे । पहले तो ऐसा होता था कि शायद लोकसभा के स्पीकर को कठिनाइयां ज्यादा रहती थीं, राज्यसभा के चेयरमैन को कम रहती थीं, लेकिन अब उल्टा हो गया है । हम जब पिछले सत्र को याद करेंगे, तो हर किसी के मुंह से यह तो निकलेगा कि हमारी जो स्पीकर महोदया थीं, हमेशा हंसते रहना, खुश-खुशहाल रहना । डांटना भी है तो डांटने के बाद हंस पड़ना, लेकिन उन्होंने उत्तम तरीके से नई परंपरा को विकसित किया । अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन की तरफ से, ट्रेजरी बैंच की तरफ से, शासन में बैठे हुए सब जिम्मेदार मंत्रिपरिषद की तरफ से आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके काम को सरल करने में जो भी भूमिका हमारे जिम्मे होगी, उसे शत प्रतिशत पूर्ण करने का प्रयास करेंगे और आपका हक बना रहेगा कि इस बैंच की तरफ भी अगर नियमों का उल्लंघन होता है, व्यवस्थाओं में बाधाएं पैदा की जाती हैं तो आपका पूरा हक बनेगा कि हमें भी और हमारी तरफ के लोगों को भी आप उतनी ही दृढ़ता से, आग्रह से कहें, हम उसका स्वागत करेंगे, क्योंकि सदन की गरिमा बनाने में हम सबका योगदान रहना आवश्यक है।

मुझे विश्वास है, पहले तो तीन-चार साल अच्छे जाते थे, चुनाव के वर्ष में थोड़ी गड़बड़ होती थी, लेकिन अब हर तीन-चार महीने के बाद चुनाव दिखता है तो लगता है कि यहीं से कुछ मैसेज देंगे । ऐसी स्थिति में आपको भी तनाव ज़रा ज्यादा रहने वाला है, लेकिन फिर भी अच्छी चर्चा हो, उत्तम चर्चा हो, सब विषयों पर चर्चा हो, मिलजुलकर निर्णय हो, उसमें आपको पूरी तरह यह सदन भी योगदान करेगा, ऐसी एक आशा के साथ मेरी तरफ से, सदन की तरफ से, ट्रेजरी

बैंच की तरफ से आपको बहुत शुभकामनाएं हैं । धन्यवाद ।

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय प्रधानमंत्री जी ने सदन के सामने आपका बायोडाटा पेश कर दिया है, इसमें कुछ नया जोड़ने की जरूरत नहीं है । फिर भी, कोटा एक कोचिंग इंस्टीट्यूट जैसा है, कोटा की कचौड़ी भी बहुत मशहूर है । इस हाउस में खिचड़ी जैसी न बने, इसलिए कचौड़ी की तरह हर वक्त कुछ स्वादिष्ट उपहार देंगे, आपसे हमें यह बहुत बड़ी उम्मीद है ।

आप एक सोशल वर्कर तो हैं ही, माननीय प्रधानमंत्री जी कह चुके हैं, इसके अलावा आप एक एग्रीक्लचरिस्ट भी हैं । आप जानते हैं कि हिंदुस्तान में किसानों की हालत बहुत बुरी होती जा रही है । हर रोज 36 किसानों की खुदकुशी हो रही है, आप जरूर इससे बचाने के लिए पहल करेंगे ।.... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, जब आपके दल के नेता बोल रहे हैं तो आप शांत रहे ।

.... (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : मैं कांग्रेस पार्टी की तरफ से, हिंदुस्तान के आम नागरिक की तरफ से और हम सबकी तरफ से इस पद पर आसीन होने के लिए आपका अभिनंदन करता हूं । साथ ही साथ हिंदुस्तान की जनता, 90 करोड़ वोटर थे, आपको अचरज होगा कि यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप मिलाकर जितनी आबादी है, उससे ज्यादा वोटर हिंदुस्तान में रहते हैं । इसमें 67 परसेंट ने चुनाव में भाग लिया जो लगभग 60 करोड़ है । इससे ज्यादा अचरज की बात है कि मालेगांव जैसे अरुणाचल प्रदेश के अन्जॉ डिस्ट्रिक्ट में एक गांव है, जहां एक ही वोटर है , वोटर के वोट की कलैक्शन के लिए छः ऑफिशिल्स ने दो दिन हिल

में ट्रैकिंग करके, छः किलोमीटर का रास्ता पार करके उनको वोट दिलवाया । हमें इस तरह के लोकतंत्र की गरिमा को बचाकर रखना चाहिए ।

मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी को अहसास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी की नीयत बहुत साफ है । हम डिबेट, डिसेंट और डिसीजन में यकीन रखते हैं, भरोसा रखते हैं, लेकिन हमें मौका मिलना चाहिए । आपकी जिम्मेदारी पार्लियामेंट में सही तरीके से इसकी रक्षा करना है, क्योंकि you are the Presiding Officer, the custodian of this House.

Not only that, according to Nehru, through the hon. Speaker, the House represents the freedom of the nation. So, the dignity of the Chair is to be well maintained by you also.

सर, एक चीज मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ कि पिछले दिनों जो विधेयक यहां पारित होते थे, उन विधेयकों को स्क्रूटिनाइज करने के लिए स्टैन्डिंग कमेटी में ज्यादा विधायकों को नहीं भेजा जाता था । यह आपको थोडा देखना पड़ेगा कि यह भी हाउस की एक गरिमा होती है । दूसरी तरफ ज्यादा से ज्यादा ऑर्डिनेंस का रास्ता अपनाना भी ठीक नहीं है, क्योंकि पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी में एक स्क्रूटिनी होनी चाहिए, एक थ्रेड बेयर डिसकशन होना चाहिए, सारे स्टेक होल्डर्स को बुलाना चाहिए ।

सर, मैं कांग्रेस पार्टी की जब एक प्राइमरी मैम्बरशिप लेने गया,तो हमारे प्राइमरी मैम्बरशिप का जो शपथ पत्र था, उसमें लिखा गया था कि अगर कोई कांग्रेस मैम्बर होना चाहता है तो उनको पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी को और मजबूत करने के लिए शपथ लेनी पड़ेगी । प्राइमरी मैम्बरशिप के जरिये जिस दिन से हम लोगों ने कांग्रेस पार्टी की शुरुआत की है, उसी दिन से हम पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए शपथ ले चुके हैं और इसी शपथ के साथ ही अगले दिन हम पार्लियामेंट को चुस्त और दुरुस्त रखने के लिए हमारी तरफ से जिस हद तक जाना चाहिए, हम जाने के लिए कभी नकारेंगे नहीं, हिचकिचाहट नहीं करेंगे ।

सर, मैं प्रधानमंत्री जी का और आप सभी का एक छोटे से विषय पर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । प्रधानमंत्री बाहर कहते हैं कि अभी पक्ष और विपक्ष नहीं होगा सिर्फ निष्पक्ष होगा । बड़ा अच्छा कान्सेप्ट है, लेकिन ये जो हिन्दुस्तान का पार्लियामेंट्री सिस्टम है, यह मल्टी पार्टी डेमोक्रेसी है, तो पक्ष-विपक्ष के साथ बहुपक्ष भी रहेंगे, सिर्फ आपको निष्पक्ष रहना होगा । आप इसे निष्पक्ष बना सकते हैं , क्योंकि चेयर इम्पार्शियल चेयर होती हैं । यहाँ जब शपथ लेना शुरू हुआ, तो कहीं जय श्रीराम, कहीं अल्लाह हू अकबर, कहीं जय काली इस तरीके से जो नजारा पेश हुआ, वह सही नहीं था । यह मैं व्यक्तिगत रूप से कह रहा हूँ, लेकिन यह हाउस की मर्यादा का सवाल है ।

"वो ही राम जो दशरथ का बेटा, वो ही राम जो घर-घर में लेटा,
वो ही राम जगत पसेरा वो ही राम सबसे न्यारा ।"

दूसरी तरफ यह भी कहते हैं:

"ला इलाहा इल्लल्लाह मोहम्मदुर्रसूलुल्लाह ।"

सर, हमें इस तरह का समाज बनाना चाहिए । मैं एक छोटी सी बात कहता हूँ :

"जब मुल्ला को मस्जिद में राम नजर आए, जब पुजारी को मन्दिर में रहमान नजर आए, दुनिया की सूरत बदल जाएगी जब इंसान को इंसान में इंसान नजर आए ।"

सर, अंत में आपके लिए कुछ मांगता हूँ । प्राइम मिनिस्टर ने भी मांगा था, मैं भी मांगता हूँ:

"खुदा से क्या मांगूं तेरे वास्ते, सदा खुशियों से भरे हो तेरे रास्ते,
हंसी तेरे चेहरे पर रहे इस तरह,
खुशबू फूलों के साथ रहती है जिस तरह ।"

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Hon. Speaker, Sir, on behalf of my esteemed leader Dr.Thalapathi M.K. Stalin, a secular Indian, a forerunner of social justice, a great son of a great Leader, Dr.Kalaignar Karunanidhi and on behalf of the Members of DMK Party in Lok Sabha and on my own behalf, I profoundly welcome and wish you a great success in the days to come as the custodian of this temple of democracy.

Hon. Speaker, Sir, considering your exemplary experience in Rajasthan Assembly as well as in Lok Sabha and also your friendliness with fellow Members, I hope that your leadership will definitely add to the values of the exalted Chair in which you are sitting now.

Sir, you have been selected and elected by the BJP on Lotus symbol. Lotus grows in water; lives in water, but water would not stick to lotus. Keeping this in mind, I could only say that maybe the BJP has selected you, but you should be impartial and you should see that everyone is taken along, and proper justice and democracy should be rendered by you.

Sir, before I conclude, I want to recite one couplet of Tirukkural and I quote:

“Samanseidhu Seerthookkum Kolpol Amainthorupal
Kodamai Sandror Kani”

To hold the scales even and fair is an ornament of those who seek perfection in their rectitude. I hope that you will be guided by the spirit of this Tirukkural and see that the House is run properly and smoothly.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Hon. Speaker, Sir, I welcome you as the hon. Speaker of the House. 'The sanctum sanctorum of this great House and the Chair of the hon. Speaker is somehow a different position in the whole nation. But according to my conception and according to my own faith, after being elected as MLA and MP and in the Parliamentary Proceeding System of this country for more than nine times, I still believe that the Parliament should mainly belong to the Opposition so that the Parliamentary democratic functioning can be more strengthened. What we feel is that the brute majoritarianism sometimes affect the normal functioning of the House. Whether the House will run or function properly or not, it depends mainly on the Treasury Benches. The intention and desire of the hon. Prime Minister as he has expressed today, is that all the discussions should be held very peacefully. We want to assure this. We are very much in favour of discussions taking place on the floor of the House peacefully. When the people have given their dictum, the Central Government will be run by these parties. Similarly, the State Governments are also governed by the dictum of the people of that particular State. But many a time, we have found that the Central Government acts like a Government who can govern the whole country. They are in the habit of sending many directions and advisories, even two advisories in a week.

माननीय अध्यक्ष: यह विषय आप बाद में रख देना ।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : When these issues are raised on the floor of the House, then naturally the ruling party do not allow the smaller parties to convey their views on the floor of the House.

So, I would request you to look at both the sides, that is, left and the right sides. The very name 'Om Birla' has a speciality also. Many people ask me whether he belongs to the category of the industrialist family of the Birla Group. जिसके नाम के पहले 'ओम' होता है, वह बहुत बड़ा विषय होता है । दोनों मिलाकर 'ओम बिरला' नाम को एक तथ्यक प्रतिफलन आप हाउस में कराइए और दोनों तरफ को कांफिडेंस दीजिए कि आप दोनों तरफ के साथ हैं । मैं आपका स्वागत करता हूं ।

SHRI P.V. MIDHUN REDDY (RAJAMPET): Sir, at the outset, I, on behalf of my leader and young Chief Minister, Shri Y.S. Jagan Mohan Reddy, and also 22 Members present in this House heartfully congratulate you for assuming the post of the Speaker in this august House.

Sir, it is worth mentioning that you had started your career as a politician from your college days. You had been elected to the Assembly thrice. You have won the Parliamentary elections twice. It is a long and a commendable career. Your rich political experience will definitely help in running this House efficiently.

It is also worth mentioning that you have been into a lot of social service activities, especially, Paridhan where we could see you are compassionate and considerate. You have distributed a lot of free clothes, books and even food to poor people. We hope all this rich experience and your good character will help you run this House

efficiently. Like every Member in this House, I once again congratulate you for assuming this post.

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री (श्री अरविंद सावंत): आदरणीय लोकसभा के अध्यक्ष जी, मैं सर्वप्रथम अपनी पार्टी की तरफ से एवं सभी की तरफ से आपका तहेदिल से अभिनंदन करता हूं । खासकर आदरणीय प्रधानमंत्री जी, आपने ऐसा नाम चुना, मैं उसके लिए आपका भी बड़ा अभिनंदन करता हूं । मैं भाग्यशाली रहा कि जब मैं सांसद बना तो सर्वप्रथम ओम बिरला जी से परिचय हुआ । हम दोनों एक गाड़ी में एयरपोर्ट से इकट्ठे यहां आए हैं । हमें एक ही बिल्डिंग में निवास स्थान मिला । अब परिचय दृढ़ हो गया । आज मुझे बहुत हर्ष हो रहा है कि मेरा एक मित्र बहुत बड़े उच्च पद पर बैठ रहे हैं और आपने उनका नाम प्रस्तावित किया, हमने भी उनका नाम प्रस्तावित किया, हमें उसका हर्ष है। मैं इतना ही कहूंगा कि आज राजनैतिक भाषण नहीं करना है । आज मैं सरकार में हूं । मैं चाहता हूं कि इस सदन की गरिमा जो हमारी आदरणीय पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने बनाए रखी, उससे भी ऊंचा उठकर, आप काम करेंगे और मुझे विश्वास है, आप में वह ताकत है, क्योंकि आप राजस्थान के कोटा से चुनकर आए है । आप बाकी बातों को छोड़ें, आपके नाम में 'ओम' है, वह सबसे महत्वपूर्ण है और वह 'ओम' ही हमें न्याय दिलाएगा । वही दुनिया चाहती है, सभी अमन चाहते हैं, सभी विकास चाहते हैं । सभी विश्वास भी चाहते हैं, जो आदरणीय प्रधानमंत्री जी कहते हैं। यह सदन इस तरह से चले, पिछली बार जो कुछ हुआ, उसे छोड़ दें, छोड़ो कल की बातें, अब आज जो करना है, वह हिन्दुस्तानी बनकर करना है और हिन्दुस्तान का नाम आगे बढ़ाना है । हिन्दुस्तान की इस सदन की गरिमा पूरी दुनिया को भी समझने में आप अच्छा रोल अदा करेंगे, यह मुझे विश्वास है। मैं फिर दिल से आपको शुभकामनाएं देता हूं, अभिनन्दन करता हूं । जयहिन्द ।

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (मुंगेर): महोदय, मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी जनता दल यूनाइटेड की ओर से इस पद पर आसीन होने के लिए आपका हृदय से अभिनंदन करता हूं ।

महोदय, आपका एक लंबा राजनीतिक जीवन रहा है । छात्र आंदोलन से लेकर सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में आपका जो सांगठनिक अनुभव है और विधानसभा में जो अनुभव रहा है, इस सदन में जो अनुभव रहा है, उस अनुभव के आधार पर हम सभी को पूर्ण आशा और विश्वास है कि आपके नेतृत्व में, दिशा-निर्देश में और संरक्षण में, यह सदन एक सकारात्मक भूमिका भविष्य में निभाएगा । हम सभी को यह आशा और विश्वास है ।

पुन: हम आपका अभिनन्दन करते हैं और आपको आश्वस्त करते हैं कि हमारी ओर से और हमारी पार्टी की ओर से आपको पूर्ण सहयोग इस सकारात्मक भूमिका निभाने में प्राप्त होगा । इसी आशा और विश्वास के साथ मैं पुन: आपका अभिनन्दन करता हूं ।

श्री पिनाकी मिश्रा (पुरी): आदरणीय स्पीकर महोदय, बीजू जनता दल की तरफ से आज हम आपका स्वागत करते हैं । केवल बीजू जनता दल ने ही नहीं, बल्कि हाउस के सभी सेक्शंस ने आपके नाम का अनुमोदन किया, सेकेंड किया, आपकी ऐक्सेपटिब्लिटी का यह बहुत बड़ा कारण है । सिर्फ प्रथम लोकसभा को छोड़कर 16 बार 'अध्यक्ष पद' के लिए संसद में कभी निर्वाचन नहीं हुआ है । इसका कारण यह है कि यह पद निष्पक्ष पद है । पहली बार भी जब इस पद के लिए इलेक्शन हुआ था, तो लेफ्ट फ्रंट ने टोकन रेसिस्टेंस किया था और लेफ्ट

फ्रंट के केंडिडेट ने भीमावलंकर जी के लिए वोट डाला । कांग्रेस पार्टी की क्रशिंग मैजोरिटी थी, लेकिन लेफ्ट फ्रंट के केंडिडेट ने कांग्रेस पार्टी के लिए वोट डाला और बाहर आकर कहा कि मैंने इसलिए वोट डाला क्योंकि this is a bipartisan House and Speaker is bipartisan. Therefore there should be no question of any election in this.

महोदय, हम बहुत प्रसन्न हैं कि आपने इतना बड़ा पद संभाला है । प्रधानमंत्री जी ने आज तीन बजे सभी नेताओं को बुलाया है । श्री नवीन पटनायक जी भी दिल्ली आ रहे हैं । Ways to improve the productivity of Parliament, प्रधानमंत्री जी का पहला एजेंडा है । बीजू जनता दल की तरफ से मैं आपको आश्वासन देता हूं और वर्ष 2014-19 के बीच आप सदन के सदस्य रहे हैं, आपने देखा होगा कि हम सबसे कम आपको तकलीफ देंगे । हाउस चलते हुए हमने कभी वेल का चेहरा नहीं देखा है, वेल को फील नहीं किया है । हम कभी वेल में नहीं आते हैं, हम कभी हाउस डिसरप्ट नहीं करते हैं । नवीन पटनायक जी ने हमें सीख दी है कि आप हाउस में डिस्कशन और डिबेट कीजिए, डिसरप्शन नहीं । यह हमारा थ्रू-आउट मोटो है । हमारी तरफ से आपको कभी हाउस में तकलीफ नहीं होने वाली है ।

मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि स्टैंडिंग कमेटी का महत्व केवल आप जानते हैं । आप वर्ष 2008 से 2013 के समय में राजस्थान में विपक्ष में रहे । आप बहुत ही मेधावी विपक्ष के लेजिस्लेटर थे । आपने क्वेश्चन ऑवर में वहां की सरकार को बिलकुल तहस-नहस कर दिया था । आप जानते हैं कि स्टैंडिंग कमेटी में जो लेजिस्लेशन स्क्रूटनी के लिए जाना चाहिए, वह बहुत कम हो गया है । विशेषकर वर्ष 2014 से 2019 के बीच में यह सबसे कम हो गया है । यह सही बात नहीं है । स्टैंडिंग कमेटी की स्क्रूटनी इस हाउस के लिए बहुत आवश्यक है । मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि पंडित जवाहर लाल नेहरू जी के आज के संदर्भ में जो वाक्य हैं, वह बहुत महत्वपूर्ण हैं । नेहरू जी ने मावलंकर जी के समय में कहा था, उसे मैं कोट करता हूं - We would like the distinguished occupant of this Chair now to always guard the freedom and liberty of those from every possible danger even from the danger of an Executive

incursion. There is always that danger from a national Government that it may choose to ride roughshod over the opinions of a minority and it is here that the hon. Speaker comes to protect each single Member or each single group from any such unjust activity by a dominant group or a dominant Government. आज बहुत डोमिनेंट सरकार है, आज बहुत डोमिनेंट गवर्नमेंट है । हम आशा करते हैं कि आप हमें प्रोटेक्शन देंगे । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : मैं माननीय वक्ताओं से आग्रह करता हूं कि वे संक्षिप्त में अपनी बात कहें ।

श्री श्याम सिंह यादव (जौनपुर) : माननीय अध्यक्ष जी, आप भारत जैसे महान देश के बहुत गरिमामय पद पर अध्यक्ष चुने गए हैं । मैं अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की तरफ से और सारे साथियों की तरफ से आपको बहुत-बहुत मुबारकबाद देना चाहता हूं । जैसाकि प्रधानमंत्री जी ने बताया कि आप गरीबों की सेवा में लगे रहते हैं । जो भूखे हैं, उन्हें खाना खिलाना और जिनके पास ओढ़ने के लिए कपड़े नहीं हैं, उनमें कम्बल बंटवाने का काम करते हैं । राजस्थान में कोटा के अंदर शिक्षा के स्तर को सुधारने के क्षेत्र में लगे हुए हैं । यह बहुत अच्छी बात है । हम आपके इस सेवा भाव से बहुत प्रभावित हैं और इसका अनुकरण हम भी करना चाहेंगे ।

महोदय, हम पहली बार संसद में आए हैं, लेकिन प्राय: देखा जाता है कि जो सत्ताधारी पार्टी होती है, वह अपना हर काम, हर बिल, हर अमेंडमेंट आदि पास करवा लेना चाहती है । जब कभी विपक्ष के लोग उसको अपोज़ करते हैं तो सत्ताधारी पार्टी सत्ता के बल पर उसे पारित करवाना चाहती है, एक तरह से उस बिल को ठेल देना चाहती है । मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि विपक्ष को कभी

ऐसा मौका न मिले, जिससे लगे कि हमारे माननीय अध्यक्ष द्वारा हम लोगों के साथ कोई अन्याय किया जा रहा है ।

महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि जो प्रथम बार के सांसद चुनकर आए हैं, उन्हें अपनी बात कहने का ज्यादा मौका दीजिएगा । आप हमारे संरक्षक हैं, गार्जियन हैं । आप हमें सिखाएंगे, पढ़ाएंगे। हमसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं । आपको डांटने का अधिकार है और हर तरह की कार्रवाई करने का अधिकार है, अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का भी अधिकार है, लेकिन आप यदि थोड़ा-सा मुस्कुरा कर करेंगे, तो हमें बहुत खुशी होगी । इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको फिर बहुत-बहुत मुबारक देना चाहता हूं ।

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): ऑनरेबल स्पीकर सर, टी आर एस पार्टी के अध्यक्ष की तरफ से, हमारी पार्टी के मेम्बर्स की तरफ से आपका अभिनन्दन करता हूँ ।

आपके बारे में, ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर साहब ने जिस तरह से पूरी हिस्ट्री बताई है, हम लोगों को इतना मालूम नहीं था । लेकिन, आज आपके बारे में बोलना बहुत खुशी की बात है । आप एक आम आदमी के नेता हैं । आप एक सोशल वर्कर हैं । आप एक किसान के बेटे हैं । इतनी क्वालिटी के साथ इस पद पर बैठने के बाद इस हाउस के सभी लोगों को आशा है कि उनको समुचित न्याय मिलेगा ।

अभी, प्राइम मिनिस्टर साहब ने हाउस के बाहर बताया था कि इस हाउस में चुनकर आने के बाद नम्बर से कोई मतलब नहीं है, सबको अपनी बात कहने का बराबर मौका मिलेगा, न्याय मिलेगा । प्राइम मिनिस्टर साहब ने जो बाहर कहा, हम लोग चाहते हैं, जिस तरह से सभी सदस्यों ने आपके नाम को सपोर्ट किया है, उसी तरीके से सभी पार्टियों के सदस्यों को, चाहे छोटी पार्टी के हों या

बड़ी पार्टी के, सबको समान न्याय मिलना चाहिए । हमें न्याय मिलेगा, ऐसा हम सभी को उम्मीद है । इस उम्मीद के साथ हम लोग आपका धन्यवाद करना चाहते हैं । इस हाउस में जितने लोग बैठे हैं, सब आपके बच्चे हैं । इस चेयर पर बैठते हुए, आपको हाउस के सदस्यों को पालने का मौका मिला है । सबको न्याय मिलेगा, ऐसा कहते हुए आपको धन्यवाद ।

श्री चिराग कुमार पासवान (जमुई): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं जानता हूँ कि आप निरंतर इस बात का आग्रह कर रहे हैं कि हम लोग संक्षेप में आपके बारे में बोलें पर आपका व्यक्तित्व इतना विशाल है कि उसको संक्षेप में समेटना, मुझे लगता है कि हम सबके लिए मुश्किल होगा । मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे यह अवसर दिया ।

सर, आपके बारे में कुछ भी कहना सूरज को रोशनी दिखाने के बराबर है । मैं सबसे पहले हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय रामविलास पासवान जी की तरफ से, लोक जनशक्ति पार्टी की तरफ से आपको बधाई देता हूँ और ढेर सारी शुभकामनाएँ देता हूँ । इसके साथ ही, मैं प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी का भी धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने इस पद के लिए सर्वश्रेष्ठ नाम का प्रस्ताव हम लोगों के समक्ष रखा । पूरे सदन ने इस नाम का समर्थन किया । इसके लिए मैं पूरे सदन का भी धन्यवाद करता हूँ । मुझे पूरी उम्मीद है कि आपके इस अनुभव का लाभ हम सबको तो मिलेगा ही, पर खासतौर से मेरे जैसे जो युवा सांसद यहाँ पर मौजूद हैं, आपके लम्बे राजनीतिक कैरियर का हम लोग भी अध्ययन करते हैं। छात्र राजनीति से लेकर युवा राजनीति तक जिस तरह से आपने निरंतर समाज-सेवा की है, हम जैसे युवा सांसदों के लिए भी आप प्रेरणा के स्रोत हैं । मुझे पूरी उम्मीद है कि हमें निरंतर आपके इस अनुभव का लाभ मिलेगा। इस उम्मीद के साथ, यहाँ पर जितनी छोटी पार्टियाँ मौजूद हैं, उनको

आपका संरक्षण भी मिले, हमें भी अपनी बातों को रखने का ज्यादा-से-ज्यादा मौका दिया जाए, इस बात का मुझे विश्वास है ।

मैं इस मौके की अपॉर्चुनिटी लेना चाहूँगा, हमारी पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सुमित्रा महाजन जी का योगदान जिस तरह का रहा, मैं अपनी पार्टी की ओर से उनके योगदान के लिए उनका भी धन्यवाद करता हूँ, उनको भी ढेर सारी शुभकामनाएँ देता हूँ ।

अंत में, मैं आपको इस बात का विश्वास दिलाता हूँ कि सुचारू रूप से सदन चले, इसके लिए हमारी लोक जनशक्ति पार्टी की तरफ से सम्पूर्ण योगदान मिलेगा ।

सर, आपका स्वागत है, आपको ढेर सारी शुभकामनाएँ ।

SHRIMATI SUPRIYA SADANAND SULE (BARAMATI): Sir, I take this opportunity to congratulate you. आज दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी के एक बड़े पद पर आप बैठे हैं । आपके साथ काम करने का मुझे कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में भी चान्स मिला, मुझे याद है दूसरी बार आप अनअपोज़्ड आ रहे हैं । पहली बार जब आप चुनकर आये लोकसभा में और कॉन्स्टिट्यूशन क्लब का इलैक्शन था, तो शायद आप पहले ट्रेज़र रहैं, जो अनअपोज़्ड चुनकर आये । उसके बाद यह दूसरी बार हो रहा है । कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आपका कॉन्ट्रिब्यूशन बहुत अच्छा रहा है । एक सांसद की तरह भी आपके साथ काम करने का मौका मिला । एन.सी.पी. की तरफ से आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं ।

मावलंकर जी, सोमनाथ चटर्जी जी, संगमा जी, इतने बड़े लैजेंड्स इस कुर्सी पर प्रधान हुए और देश को दिशा दिखाई है । बहुत बार ऐसा होता है कि जब स्टेट्स में कुछ अड़चनें आती हैं, तो आपकी तरफ, पार्लियामेंट की तरफ वे देखते

हैं । आप पांच सालों में स्टेट्स के साथ एक आदर्श पार्लियामेंटेरियन और स्पीकर की तरह काम करेंगे । नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी की तरफ से आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं ।

डॉ. फारूख अब्दुल्ला (श्रीनगर) :मैं आपको अपनी पार्टी की तरफ से मुबारक करता हूं । मैं जब पहली बार पार्लियामेंट में आया था, तो जाखड़ साहब हमारे स्पीकर बने थे । उन्होंने बाप की तरह इस पार्लियामेंट को चलाया और हम सबको सुना और सबको मौका दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र की और वतन की तरफ से कह सकें ।

पिछली स्पीकर सुमित्रा महाजन जी ने भी मां की तरह इस हाउस को चलाया और कोशिश की कि सबको सुनें । आज मैं उम्मीद यही करता हूं कि आप राजस्थान से हैं, जहां मैंने पढ़ा है और सीखा है । मैं उम्मीद यही करता हूं कि आप हम सबको मौका देंगे कि हम अपनी बात रख सकें और एक मज़बूत वतन बना सकें । मैं फिर से अपनी जमात की तरफ से आपको बहुत-बहुत मुबारक करता हूं और उम्मीद करता हूं कि आप इस हाउस को अच्छी तरह से चलाएंगे और हम आपको पूरी तरह से हिमायत देंगे । शुक्रिया ।

SHRI P. K. KUNHALIKUTTY (MALAPPURAM): Sir, my Party, IUML, has a very strong secular record of working in this Parliament and also outside this Parliament. Maybe, many new Members are not aware of the fact that IUML is a secular Party which is a part of the secular alliance in Kerala, Tamil Nadu and also elsewhere.

So, I assure all cooperation from our Party to you. You, as we heard here, have a very strong record of public work and working for the

poor. I hope, while working in this House, you will also try to give time to the Opposition. Disruption in the House happens when we feel that the feelings of the people are not taken into consideration. Sometimes some legislations and other business come from that side which we feel is casually being done without considering the feelings of the people seriously. There are people who do not have much voice in this House like the backward classes, the minorities etc. When any legislation is being passed here, the Government should also take these points into consideration. Otherwise, disruption and shouting will occur and that is what happens many a time. So, I hope, in future, with this big majority of the present ruling Government, they may take into consideration the Prime Minister's recent statement that numbers do not matter but what matters is the feelings of everybody, and everybody means every section of the people of the country.

12.00 hrs

So, I hope that legislations will not be brought to this House in a casual manner because such initiatives always create a problem. The Government should take us seriously and it is the duty of the hon. Speaker to protect our rights. I would like to take this opportunity to congratulate you on your unanimous election as the Speaker of this House. From my Party, I assure you full cooperation.

श्री राम मोहन नायडू किंजरापु (श्रीकाकुलम): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तेलगू देशम पार्टी की तरफ से, अपने अध्यक्ष और अपने सारे सांसदों की तरफ से आपका हृदयपूर्वक अभिनन्दन करता हूं । आपका जो अनुभव रहा है, वह पहले ही सारी पार्टियों की तरफ से सब लोगों ने बोला है और अपना विश्वास आपके ऊपर फिर से इस सदन ने रखा है । आज बहुत ही अच्छा माहौल बना है । हर बार अध्यक्ष जी को निवार्चित करने की जो प्रक्रिया है, उससे सदन को भी एक अच्छा मौका मिलता है कि किस दिशा में आगे बढ़े । क्योंकि अभी-अभी हमने देखा है कि निष्पक्षता से सब लोगों ने एक साथ मिलकर इस सदन की गरिमा को आगे बढ़ने के लिए, उस पद पर जिस पर आप बैठे हैं, उसका गौरव, सम्मान करने के लिए एक जुट होकर सबने सपोर्ट किया और उसी के साथ हम भी यही कोशिश करेंगे कि इन पांच सालों में देश को आगे बढ़ाने का कोई भी काम आदरणीय प्रधानमंत्री जी या सरकार करे तो हम जरूर उनका साथ निभाएंगे । हमारी आपसे यही विनती रहेगी । आपने पहले सत्र में भी हमें देखा है । हमारी संख्या जरूर कम हुई है पर आप समय कम मत कर देना । इस बार जो समस्याएं हैं, उसमें काफी सारी समस्याएं हमारे राज्य की भी हैं, हमारे देश की भी हैं । हम अपनी बात आगे रखना चाहते हैं तो जरूर एक उम्मीद आपके ऊपर है। पिछली सभा की अध्यक्ष सुमित्रा जी को भी हम धन्यवाद देते हैं कि प्रत्येक बार उनका ध्यान हमारे युवा सांसदों के ऊपर था । हर बार जब भी हम बोलना चाहते थे तो उन्होंने हमें बहुत एन्करेज किया, हमें बहुत मोटिवेट किया । बाकी जो चिराग पासवान जी ने आग्रह किया है, उसे मैं फिर से दोहराता हूं कि जो युवा सांसद हैं उनको जरूर बोलने का अच्छा मौका मिले । हमारी जो छोटी पार्टियां हैं उनको भी अच्छा मौका देकर आपके ऊपर जो संविधान को कायम रखने और संविधान की जो अहम शक्ति सौंपी गई है, हमें पूरा विश्वास है, आशा है कि आप इसको आगे बढ़ायेंगे । जिस तरह से कोटा ने बहुत सारे विद्यार्थियों का नाम रोशन करने का एक मौका दिया है उसी तरह से आप वहां से आकर इस सदन का भी नाम रोशन करने का एक अच्छा माहौल रखेंगे । इसी के साथ हम फिर से आपका अभिनन्दन करते हुए तेलगू देशम पार्टी की तरफ से आपको धन्यवाद देते हैं ।

श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्जापुर): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले अपनी पार्टी अपना दल की ओर से आपका ह्रदयपूर्वक अभिनन्दन करती हूं । यह गौरव का विषय है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस सदन के अध्यक्ष पद पर विराजमान होकर आप आज से पांच वर्षों के लिए इस सदन का संचालन करेंगे और हम सभी को आपका मूल्यवान मार्गदर्शन प्राप्त होगा । आज से आपको एक बहुत महत्वपूर्ण दायित्व मिल रहा है, संसदीय परम्पराओं के संरक्षण का । हम सब तो अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों का, अपने निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन आप इस सदन के पूर्ण प्राधिकार का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं । आपका आसन भी ऐसे स्थान पर बनाया गया है कि आपकी दृष्टि हम सब पर है और हम सब आपके लिए बराबर हैं, कोई छोटा या बड़ा नहीं है । मैं यह बात इसलिए कह रही हूं, क्योंकि इस सदन में बहुत सारे ऐसे दल हैं जो एक सदस्य, दो सदस्य या तीन सदस्यों के साथ आए हैं । मेरी पार्टी भी दो सदस्यों के साथ यहां पर उपस्थित है और हमारे जैसे दलों को सबसे ज्यादा आपके संरक्षण की आवश्कयता है, ताकि आपके माध्यम से हमें अपने विचारों को व्यक्त करने का पर्याप्त अवसर प्राप्त हो सके ।

मैं उत्तर प्रदेश जैसे राज्य से आती हूं, जहां बहुत बड़ी आबादी है, बहुत सारी विविधताएं हैं, बहुत सारी चुनौतियां है और मेरी पार्टी समाज के दबे-कुचले पिछड़े दलित समाज की आवाज है । आपके माध्यम से मेरा यही आग्रह है कि मेरी पार्टी को पर्याप्त अवसर मिले । माननीय प्रधानमंत्री जी ने आपके संसदीय अनुभव के बारे में बहुत कुछ विस्तार से बताया है । मैं उन बातों को दोहराना नहीं चाहती । मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे इस सदन के सर्वप्रथम अध्यक्ष श्री मावलंकर जी और उनके बाद के रहे सभी अध्यक्षों ने जिस महान विरासत को यहां पर बनाया है, आपके कार्यकाल में वह विरासत आगे बढ़ेगी ।

हम सभी सदस्यों को आपके माध्यम से इस संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहन प्राप्त होगा । मेरी पार्टी की ओर से मैं आपको आश्वस्त करती हूँ कि सदन के सुचारू संचालन में हमारा पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा और आपके कार्यकाल में, आपके यशस्वी कार्यकाल में इस सदन की गरिमा और

आगे बढ़े, ऐसी मेरी शुभकामना है । बहुत-बहुतअभिनन्दन, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष: मेरा सभी माननीय सदस्यों से आग्रह है कि वक्ताओं की लिस्ट बहुत है । एक-एक मिनट में अपनी बात को कहने का सबको मौका मिल जाए । श्री असादुद्दीन ओवैसी जी ।

श्री असादुद्दीन ओवैसी (हैदराबाद): सर, मैं आपको मुबारकबाद देता हूँ कि आप एक अज़ीम ओहदे पर आज फायज़ हुए हैं । वज़ीर-ए-आज़म ने अपने तारूफी कलमात में आपके बारे में बताया है और मैं अपनी जानिब से आपको और अपनी पार्टी की जानिब से अपना पूरा तावुन पेश करता हूँ।

सर, मैं आप को एक बड़ी बात याद दिलाना चाहता हूँ, बड़ी हम्बलनेस के साथ कि जिस अज़ीम ओहदे पर आप आज फायज़ हैं, मेरी आपसे उम्मीद है और गुज़ारिश है कि हमारे मुल्क की जो थ्योरी ऑफ सेपरेशन ऑफ पावर्स है, आप उसकी हिफाज़त करेंगे ।

सर, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ, आप यकीनन काबिल हैं कि बर्तानिया की जम्हूरियत में उनके शुरुआत के दिनों में जम्हूरियत की और पार्लियमानी निज़ाम की आज़ादगी की हिफाज़त के लिए कई स्पीकरों ने बादशाह-ए-वक्त के आगे अपनी जानों को कुर्बान कर दिया । इसीलिए उस हाउस ऑफ कॉमन्स में जब स्पीकर का इन्तिख़ाब होता है, तब स्पीकर को घसीटकर लाया जाता है । हम आपसे उम्मीद करते हैं कि आप यकीनन एक इलेक्टेड गवर्नमेंट हैं, मगर हम आपसे उम्मीद करते हैं कि इलेक्टेड गवर्नमेंट एक मोनार्क न बन जाए, इसलिए आपको एक बहुत बड़ा रोल निभाना पड़ेगा ।

सर, मैं आपसे यह गुज़ारिश कर रहा हूँ, आपको याद भी दिला रहा हूँ कि आप इस हाउस के रेफरी हैं, आप रेफरी बने रहेंगे, आप गेम का हिस्सा नहीं बन

सकते।

सर, आखिरी बात यह है कि आप राइट साइड से आए हैं, आइडियोलॉजी भी राइट हो सकती है, मगर आपसे मैं गुज़ारिश कर रहा हूँ कि लेफ्ट साइड भी नज़र-ए-करम करते रहिए । मेरी आपसे गुज़ारिश है कि अब आपकी आइडियोलॉजी यकीनन कॉलोनिशग्दर होनी चाहिए और इस पार्लियमानी निज़ाम को हम बेहतर से बेहतर चलाएंगे ।

आखिर में सर, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ बड़ी हम्बलनेस के साथ कि आपके अख्तयारात बहुत ज्यादा हैं । आर्टिकल-92 और 97 आपको इंडिपेंडेंट करार देता है और सर, डिस्क्रीशनरी पॉवर्स आपके बहुत ज्यादा हैं । मेरी आपसे एक गुज़ारिश है कि जब आप अपने डिस्क्रीशनरी पावर्स का इस्तेमाल करेंगे तो जरूर इस बात का ख्याल रखिए कि मैं जो फैसला करूँगा उससे डिबेट होगा या इस हाउस को स्टाइफल कर दिया जाएगा ।

सर, स्टैंडिंग कमेटी के बारे में मौजूद रुक्न ने कह ही दिया है, अगर कोई मंत्री आकर आपसे कहेगा कि मुझे जल्दी है इस बिल को पास कराने के लिए तो सर, ये आपकी उस अज़ीम चेयर की तौहीन होगी क्योंकि पार्लियमानी निज़ाम में स्क्रूटनी बहुत ज्यादा है, इसीलिए सर, मैं सुप्रीम कोर्ट ने किहोतो होलोहान में कहा था कि “the Speaker is the very embodiment of propriety and impartiality.”

सर, हम हिज्बे बेइख्तिलाफ से ताल्लुक रखते हैं, हम उम्मीद करते हैं और गुज़ारिश करते हैं कि हमको खुलकर इस हुकूमत पर तनक़ीद करने का मौका मिलेगा, हमारी आवाज़ की आप हिफाज़त करेंगे । आप प्रोटेक्टर भी हैं सर, आप हमारा सपोर्ट भी करंगे । मैं फिर से आपको मुबारकबाद पेश करता हूँ । शुक्रिया ।

माननीय अध्यक्षः सुखबीर सिंह बादल जी ।

SHRI SUKHBIR SINGH BADAL (FEROZPUR): Speaker Sir, on behalf of the people of Punjab and Shiromani Akali Dal, I would like to congratulate you. The hon. Prime Minister has beautifully explained your life. Sir, you being a farmer, a social worker and having spent 27 years in public life, are fully aware of the problems of the people. You are connected to the grassroots. This Parliament represents 1.3 billion people, approximately 17 per cent of the world's population. Sir, the only problem here is, numbers count – the higher the number, the more say you have; the lower the number, the less say you have. There are about 10 States and 6 Union Territories, which have less than five Members of Parliament. Sir, regional parties and the minorities always have less numbers in this House. So, we all have full faith in you. We all feel, you being a neighbour of Punjab, you know the issues.

I would request you, Sir, that the minorities, regional parties and States with small numbers should be given more time so that they can express their views because their problems may be bigger than other bigger States. I would request you to consider allocating more time to the smaller States.

I would once again thank you very much.

SHRI P. RAVEENDRANATH KUMAR (THENI): Hon. Speaker, Sir, *Vanakkam*.

I place on record my sincere thanks to hon. PuratchiThalaivi Amma for the benevolent blessings for which I am privileged to be a Member of Parliament representing Theni Parliamentary Constituency.

On behalf of the AIADMK party leaders and on my own behalf, I wholeheartedly congratulate you for becoming the Presiding Officer of this august House.

Sir, I see in you a seasoned Parliamentarian, an ardent social worker and a simple human being, who has the connect with the masses. I extend my best wishes to you, Sir.

I am a beginner but I hope that with the able guidance of senior and seasoned leaders like you, I can make a big difference.

Sir, Tamil Nadu has always been a progressive State. The law-abiding people of my State, Tamil Nadu, are so much patriotic and hardworking. They put nation and language before everything else. The Government of Tamil Nadu and the people of my State see and aspire for overall and multifaceted development of the country.

Perarignar Anna guided us to see God in the smile of a poor man. PuratchiThalaivar MGR, throughout his life, worked relentlessly for the welfare of the poor. PuratchiThalaivi Amma successfully implemented several welfare measures for the upliftment of the poor.

Hon. Speaker, Sir, I see in you, a philanthropist who has always been kind and helpful to the poor.

Sir, your simplicity and affection towards the humanity have made you rise up the ladder to occupy this high post.

Sir, while extending my heartfelt and sincere wishes to you, I seek your valuable guidance in effectively fulfilling my Parliamentary duties as a Member of Parliament.

We have so much expectation from the Union Government led by an ever-inspiring leader, the hon. Prime Minister, Shri Narendra Modiji. We are happy to be an ally of the National Democratic Alliance, which swept the recent elections and came to power at the Centre.

Sir, I will be an ambassador and a tool in bridging the gap, if any, between the Union Government and the State Government of Tamil Nadu. I am full of hope that our genuine demands will get due attention and be fulfilled. I am thankful to the hon. Chief Minister and the hon. Deputy Chief Minister of Tamil Nadu. I also extend my heartful congratulations to all the hon. Members of the House of People.

I look forward to work closely with each one of you and get your valuable guidance and unwavering support.

Thank you so much for this opportunity.

Thank you, Mother India. *Vanakkam.*

माननीय अध्यक्ष : मैं माननीय सदस्यों से फिर आग्रह करूंगा कि वे अपनी बात संक्षेप में कहें ।

श्री हनुमान बैनिवाल (नागौर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी महापंचायत के सर्वोच्च पद पर आप विराजमान हुए हैं । मैं प्रधानमंत्री जी का हृदय से धन्यवाद देता हूं, आभार प्रकट करता हूं और पूरी आरएलपी, पार्टी की तरफ से, राजस्थान की जनता की तरफ से और देश के नौजवानों की तरफ से आपको बारम्बार बधाई देता हूं । आप राजस्थान की विधान सभा में दो बार मेरे साथ विधायक के रूप में विराजमान हुए हैं । एक बार जब कांग्रेस की सरकार में किसानों और नौजवानों पर अत्याचार हुए तो आपने सड़कों से लेकर विधान सभा तक मजबूत लड़ाई लड़ी । जैसाकि प्रधानमंत्री जी ने आपके बारे में बताया कि आप छात्र जीवन से विधान सभा और विधान सभा सदस्य से लोकसभा और लोकसभा सदस्य से लोकसभा अध्यक्ष के पद पर विराजमान हुए हैं । यह राजस्थान के लिए गौरव की बात है। आज राजस्थान की मिट्टी धन्य हो गयी, देश के जवान धन्य हो गए । वे सभी अपने को आशान्वित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि ओम बिरला जी जो राजस्थान में यूथ आइकॉन के रूप में जाने जाते थे, आज देश की सबसे बड़ी पंचायत के मुखिया के रूप में विराजे हैं । निश्चित रूप से हमारी जैसी छोटी पार्टियां, वैसे तो हम सत्ता पक्ष एनडीए के घटक दल के रूप में हमेशा सरकार को सपोर्ट करते रहेंगे।

लेकिन जहां जवानों, किसानों के मामले आएंगे, तो आप हम छोटी पार्टियों को भी संरक्षण देंगे । आज पूरा राजस्थान गौरवान्वित है । मैं पुनः प्रधानमंत्री जी और गृहमंत्री जी को इस बात के लिए अपनी तरफ से धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने एक ऐसा फैसला लिया है । जब कल इस देश को और हमें सोशल मीडिया के माध्यम से, टेलीविजन और समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिली थी कि श्री ओम बिरला जी, लोकसभा के नए अध्यक्ष होंगे, तो हर कोई इस बात को लेकर बहुत ज्यादा खुश था कि एक ऐसा व्यक्ति जो छात्र जीवन से लेकर विधानसभा, लोकसभा और लोकसभा के अंदर भी लोकसभा के अध्यक्ष के पद पर विराजमान होगा। जिसने राजस्थान की सड़कों से लेकर विधान सभा और लोकसभा में एक अच्छे पार्लियामेन्टेरीयन के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है । वह देश की सर्वोच्च संस्था – लोकसभा के अध्यक्ष के पद पर विराजमान हुए

हैं, तो निश्चित रूप से पूरे देश के अंदर हर्ष का माहौल है । मेरे साथ यहां जो राजस्थान के सांसदगण विराजमान हैं, रामचरण बोहरा जी, राहुल कस्वां जी।

माननीय अध्यक्ष : हनुमानजी ।

श्री हनुमान बैनिवाल: महोदय, एक मिनट । मैं इनका भी साथ दे दूं, नहीं तो ये आपको अलग से पर्ची भेजेंगे, अरविन्द कुमार शर्मा जी, निहाल चन्द जी, सी. पी. जोशी जी और बालकनाथ जी। मैं इन सबकी तरफ से भी बधाई देता हूं और राजस्थान के सारे सांसदों की तरफ से भी आपको बधाई देता हूं । आप हमारा ध्यान रखिएगा । हम सब मिलकर एक नए देश का निर्माण करेंगे और मोदी जी के सपनों को पूरा करेंगे । धन्यवाद, जयहिन्द।

SHRI N. K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Thank you very much, Sir. First of all, I congratulate you on behalf of my Party RSP on assuming the highest Office of the biggest democracy in the world.

I firmly believe that 25 years of your experience as a legislator will give fruitful result to the Parliamentary democracy of this country, especially, the 17th Lok Sabha. My humble suggestion to you is that the Speaker has a very important role in protecting the democratic rights of the Members of the Opposition so as to have a healthy democracy in our country. This Lok Sabha, this House, has a long tradition of respecting

and recognising the sentiments of the Opposition Members. That is a long-cherished tradition of this House.

I would like to quote Pandit Jawaharlal Nehru here. Shri Pinaki Misra has rightly quoted the rest of it. I quote:

> "The Speaker represents the House. He or she represents the dignity of the House, the freedom of the House and because the House represents the nation, in a particular way, the Speaker becomes a symbol of nation's freedom and liberty. Therefore, that should be an honoured position, a free position and should be occupied always by persons of outstanding ability and impartiality."

Sir, I hope that the Chair held by your good Office will discharge its functions in an impartial manner. I fully support the observations made by the hon. Prime Minister on the first day, on 17^{th} June, that an active and effective Opposition is required in having a good democracy. We fully support it. We will be very active. We will be very effective. But we appeal one thing to the Government. In the last session of the 16^{th} Lok Sabha, I have moved more than 500 amendments but none of them has been accepted or recognised or reviewed by the Government. Kindly review the position. The Government has to review them. Any suggestion coming from the Opposition, if it is constructive and useful to the nation, may be accepted. Kindly accept it. Such a constructive mechanism has to be taken up by the Government, at least, in the 17^{th} Lok Sabha.

I would also like to conclude with felicitations and other suggestions. Dr. Murli Manohar Joshi has headed a Parliamentary Pay

Panel. As per Article 98(2), we have to maintain the independence of Parliament. In order to have the independence of Parliament, there is a suggestion to have an urgent legislation to regulate the recruitment of staff of Parliament. That is long pending. I humbly submit before you that you can create a history by having an urgent legislation so as to regulate the recruitment of staff of Parliament so that the independence of Parliament can be maintained.

With these words, I conclude. I once again extend my heartiest congratulations to you for assuming this Office. Thank you very much.

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामदास अठावले) : महोदय, सभी पार्टियों, एनडीए और यूपीए के सभी मेंबर्स यहां पर मौजूद हैं । आज का दिन हमारे लिए बहुत बड़ी खुशी का दिन है कि आप अध्यक्ष पद पर विराजमान हो गए हैं ।

"एक देश का नाम है, रोम, लेकिन लोकसभा के अध्यक्ष बन गए हैं, बिरला ओम ।

लोक सभा का आपको अच्छी तरह चलाना है काम,

वेल में आने वालों का ब्लैकलिस्ट में डालना है, नाम ।

नरेन्द्र मोदी जी और आपका दिल है विशाल, राहुल जी आप अब रहो खुशहाल ।

हम सब मिलकर हाथ में लेते हैं एकता की मशाल और भारत को बनाते हैं और भी विशाल ।

आपका राज्य है राजस्थान, लेकिन लोकसभा की आप बन गए हैं, जान ।

भारत की हमें बढ़ानी है शान, लोकसभा चलाने के लिए आप जैसा परफेक्ट है , मैन ।"

मुझे आपने बोलने का मौका दे दिया है । मैं लोकसभा के चुनावों में खड़ा नहीं था, इसलिए मैं इधर नहीं था । जब मैं खड़ा होता था, तब मैं मेंबर बनता ही था । लेकिन मेरी रिपब्लिकन पार्टी है, मुझे मंत्रालय दे दिया है । मेरी पार्टी भी आपके साथ है । हमें देश को चलाना है । राहुल जी का आज बर्थडे है ।...(व्यवधान) राहुल जी, भी हमारे मित्र है । आपको वहां बैठने का मौका मिला है, इसके लिए मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूं । आपने बहुत कोशिश की है । लोकतंत्र में होता है कि जो लोग चाहते हैं, उनकी सत्ता आती है । आपकी सत्ता बहुत साल तक रही है । जब आपकी सत्ता थी, तब मैं आपके साथ था।...(व्यवधान) चुनाव के पहले कांग्रेस के लोग बोल रहे थे कि, इधर आओ, इधर आओ, लेकिन मैंने बोला कि ऊधर जाकर मैं क्या करूं ? मैंने हवा का रुख देखा कि हवा नरेन्द्र मोदी जी तरफ जा रही है ।...(व्यवधान) इसीलिए लोकतंत्र में होता है । आप लोगों ने भी कोशिश की, मोदी साहब ने भी कोशिश की और हमने भी कोशिश की । लोगों ने जो मेनडेट दिया है, उसको मानकर, मैं अपोजीशन से भी निवेदन करना चाहता हूं कि बिल पास करने, देश को चलाने, और कानून बनाने के लिए आपकी आवश्यकता है । नरेन्द्र मोदी जी को पता है कि जो भी छोटा दल हो, कोई भी हो, हम सबको सुनेंगे, सबको न्याय देने का काम करेंगे । सभी राज्यों को न्याय देने का काम करेंगे । इसीलिए हमारी सरकार पांच साल तक चलेगी । पांच साल होने के बाद और पांच साल चलेगी और बाद में ऐसे ही चलती रहेगी, मतलब हम इतना अच्छा काम करते रहेंगे।...(व्यवधान)

हम अच्छा काम करते रहेंगे, तो हमारी सरकार आती रहेगी । हम अच्छा काम नहीं करेंगे, तो आप आ जाओ, लेकिन हम आपको जल्दी नहीं आने देंगे । मैं सबको हार्दिक बधाई देता हूं । मैं आपको भी हार्दिक बधाई देता हूं । आप एक अनुभवी आदमी हैं, आप ज्यादा हंसते नहीं हैं, लेकिन मैं आपको हंसाऊंगा । मैं एक बार फिर आपको धन्यवाद देता हूं । आप हाउस को अच्छी तरह से चलाएं और मुझे भी कभी-कभार बोलने का मौका दीजिए । जय भीम, जय भारत ।

श्री मोहनभाई सांजीभाई देलकर (दादरा और नागर हवेली): सर, बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं भी अपने आपको धन्यवाद प्रस्ताव के साथ जोड़ता हूँ । जैसा कि यहाँ पर आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा है और हमारे जितने भी माननीय सदस्य इस पर बोले हैं, मैं भी अपने आपको इसमें जोड़ता हूँ । आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूँ, आपका धन्यवाद करता हूँ । सर, आपके बारे में सुनने के बाद बहुत खुशी हुई, बहुत अच्छा लगा । जैसाकि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने यहाँ पर बताया कि आपका सरल स्वभाव और आपकी जो कार्य-शैली है, उससे यह बिल्कुल साफ हो चुका है कि आपकी कार्य-शैली से, आपके सरल स्वभाव से न सिर्फ सदन को फायदा होगा, बल्कि मैं समझता हूँ कि पूरे देश को फायदा होगा । यह बात आज साबित हो चुकी है । सर, मैं निर्दलीय चुनकर आया हूँ और जैसे यहाँ सारे लोगों ने गुजारिश की, मेरी भी आपसे गुजारिश है कि छोटे दल जो अपक्ष हों, उनको भी मौका दिया जाए ।

सर, मैं सातवीं बार चुनकर आया हूँ इस लोकसभा में । मैं आपसे चाहूँगा, यह विनती है कि जितनी भी पॉलिटिकल पार्टीज की मीटिंग्स होती हैं या सदन में समय देने की बात आती है, अपक्ष के चुने हुए जो प्रतिनिधि हैं, उनको भी मौका दिया जाए । फिर एक बार मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ ।

SHRI THOMAS CHAZHIKADAN (KOTTAYAM): Respected hon. Speaker, Sir, I take this opportunity to congratulate you on being elected unanimously as the Speaker of this august body of Seventeenth Lok Sabha.

India is the largest working democracy in the world, and you are holding the highest position in this august legislative body of India. Sir, I wish you every success in this highest legislative body of this country for discharging your responsibilities as the custodian and Presiding Officer of this body.

As we all know, being a Speaker is not a very easy job. While it is a highly prestigious position, it can also be a crown of thorns. The standard set by our founding fathers for a Speaker is quite high.

You are an experienced Parliamentarian both in the State Legislature and in the Lok Sabha. So, I am sure that you will be able to discharge your responsibilities in the House in the true interest of the entire nation. Also, I am sure that you will be able to protect the interest of all Members, irrespective of their party affiliations. As was already mentioned here, ours is a multi-party democratic system. Ours is a small party from the far south of Kerala. Whether we belong to a larger Party or a smaller party, we expect that we all get the same consideration from you for discharging our duties and representing the people of India.

Once again, permit me to congratulate you. I assure you the whole-hearted support from my Party and myself. Thank you, Sir.

श्री नव कुमार सरनीया (कोकराझार): थैंक यू सर । मेरे क्षेत्र की तरफ से आपको हार्दिक शुभकामनाएँ । मैं दोबारा निर्दलीय चुनकर आया हूँ । हमारे क्षेत्र के लोगों को भी लगता है कि हमको भी मौका मिलना चाहिए और समय से मिलना चाहिए । हम कभी भी आपको डिस्टर्ब नहीं करेंगे । हमारा जो मुद्दा है, उसे आप उठाने के लिए मौका देंगे । इसके साथ आपको धन्यवाद देता हूँ ।

SHRI P.R. NATARAJAN (COIMBATORE): Sir, I thank you for the opportunity given by you to greet you.

As unanimously elected Speaker of the Seventeenth Lok Sabha, you have an experience of more than 25 years in the Legislative Assembly as well as in the Lok Sabha. Our request is, as correctly pointed out by the RSP Member, who has quoted a quotation of Jawaharlal Nehru regarding the post of the Speaker, equality and the tradition of the House must be maintained by you, and we expect that.

We had an experience of majority with our leader late Shri Rajiv Gandhi in the same Lok Sabha. Majority alone will not decide;a majority alone will give you so many troubles. That is the sign. Let us wait and see. Thank you, Sir.

SHRI K. SUBBARAYAN (TIRUPPUR): Thank you, Speaker, Sir, for giving me this opportunity. I also welcome you to the Chair. My humble request is, please save the democratic method and the Parliamentary democratic system.

I am very happy to greet you. My heartiest wishes to you. Thank you.

माननीय अध्यक्ष : माननीय प्रधानमंत्री जी, मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यगण, सभी राजनीतिक दलों के नेतागण, सभी माननीय सदस्यगण, 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में मेरे प्रति किए गए आप सभी के समर्थन के लिए मैं हृदय के अंत:करण से आपका आभार व्यक्त करता हूँ । इस चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए मेरे ऊपर विश्वास जताने के लिए मैं सभी दलों का धन्यवाद प्रकट करता हूँ । मैं माननीय प्रोटेम स्पीकर डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी और उनकी प्रो-टीम श्री सुरेश कोडिकुन्निल जी, श्री भर्तृहरि महताब जी, श्री बृजभूषण शरण सिंह जी और उनकी पूरी टीम को भी धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने दो दिन तक इस सदन की कार्यवाही को बेहतरीन ढंग से चलाया । मैं देश की जनता का भी आभार व्यक्त करता हूँ । लोकतंत्र के इस महायज्ञ में देश की जनता ने पूरे उल्लास, उमंग और उत्साह के साथ आहुति दी । यह लोकतान्त्रिक व्यवस्था के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है । हमारे सामने बहुत चुनौतियाँ हैं और जनता की अपेक्षाएं भी हैं । सदन में सभी माननीय सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे । मैं भी वर्ष 2014 से वर्ष 2019 तक आप के बीच का एक सदस्य रहा हूँ । मैं जानता हूँ कि लाखों मतदाताओं के विश्वास, भरोसे के साथ हम इस संसद के मन्दिर में आते हैं और संसद के मन्दिर में आने के बाद हमारे क्षेत्र की जनता, पूरे देश की जनता का यह विश्वास, भरोसा रहता है कि हम समाज के अन्तिम व्यक्ति की बात सदन के

माध्यम से करेंगे । जो सभी दलों ने विश्वास व्यक्त किया है कि यह पीठ, यह अध्यक्ष की कुर्सी निष्पक्ष होनी चाहिए और निष्पक्ष दिखनी भी चाहिए । मेरा प्रयास होगा कि मैं हर माननीय सदस्य, चाहे किसी दल का एक सदस्य हो, चाहे वह सदस्य कितनी बड़ी संख्या वाले दल का हो और इसीलिए हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि हम संख्या के बल के आधार पर नहीं, हम इस देश के अंदर सबके विश्वास को लेकर चलना चाहते हैं । यह देश वह देश है, जिसका सबसे बड़ा लोकतंत्र है ।

सबसे बड़े लोकतंत्र में होने के बाद जिस तरीके से निष्पक्ष रूप से और पारदर्शी तरीके से हमारे यहां इस लोकतंत्र के उत्सव को मनाया जाता है, जिस उमंग और उत्साह के साथ तपती धूप के अन्दर घंटों इन्तज़ार करने के बाद लोग मत देकर हम सबको चुनकर भेजते हैं, वे इस विश्वास, भरोसे के साथ भेजते हैं कि हम उनके बुनियादी सवालों को उठाएंगे, उनके अभावों को उठाएंगे । पिछली बार सरकार ने उनके विश्वास, भरोसे को कायम रखा । इसीलिए, पुन: सरकार को अधिक संख्या बल के आधार पर देश की जनता फिर विश्वास और भरोसे के साथ लायी है । इसीलिए, अब सरकार की ज्यादा जिम्मेदारी बन जाती है कि जिस तरीके का विश्वास, भरोसा, देश की जनता ने सरकार पर व्यक्त किया है, मैं निश्चित रूप से मानता हूं कि सरकार की जवाबदेही ज्यादा बनती है ।

मेरी सरकार से भी यह अपेक्षा रहेगी कि वह अधिक जवाबदेही से, अधिक पारदर्शिता से इस देश के अन्दर काम करे, ताकि हम देश के अन्दर एक मिसाल कायम कर सकें ।

मैं माननीय सदस्यों को यह आश्वस्त करना चाहता हूं कि आप सब लोग, जो चुनकर आते हैं, आप सबका यह मंच लोकतंत्र का एक मन्दिर है । आप अपने बुनियादी सवालों को, बुनियादी बातों को, जो जनता आपके बीच कहती है, सदन के माध्यम से देश को अवगत कराना चाहते हैं, अपनी जनता को भी अवगत कराना चाहते हैं । लेकिन, मेरा आपसे आग्रह है कि कई बार मैं सदन में देखता हूं कि ऐसे बुनियादी सवाल, जो केन्द्र सरकार या सदन के अनुकूल नहीं हैं, उन सवालों को भी संसद में उठाया जाता है । मैं सभी माननीय सदस्यों से यह कहना

चाहूंगा कि लोगों ने हमें संसद सदस्य के रूप में चुनकर भेजा है और संसद सदस्य के रूप में चुनकर भेजने के कारण हमें हमेशा वह सवाल उठाना चाहिए, जो देश की सरकार के प्रति है । मेरा सरकार से भी आग्रह रहेगा कि सरकार भी, हर माननीय सदस्य के सवालों का, चाहे वे शून्यकाल में हों, चाहे प्रश्नकाल में हों, जवाबदेही के साथ जवाब देगी और आपकी भावनाओं का पूरा-पूरा ध्यान रखेगी ।

मुझे विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में जो भरोसा, देश की जनता ने हमें दिया है, आप सब लोग और हम सबके नेता के रूप में माननीय प्रधानमंत्री जी यहां पर हैं, मेरी भी कोशिश होगी कि मैं आप सबका संरक्षण करूं । माननीय प्रधानमंत्री जी ने खुद कहा है कि वे सभी, जिन्होंने मुझे वोट दिया, वे भी और जिन्होंने नहीं दिया, वे भी हमारे हैं । सबके विचार और धारा अलग हो सकती है, सबकी नीतियां भी अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सब यहां सदन में इसलिए आए हैं कि हमारा देश समृद्धशील बने, आगे बढ़े । आज दुनिया के अन्दर भारत आगे बढ़ रहा है । दुनिया के अन्दर भारत की एक बड़ी मिसाल बनी है । इस सदन के माध्यम से हम सबकी यह कोशिश होनी चाहिए कि हम संसदीय मर्यादा में रहें, ताकि जिस तरीके से हमारा लोकतंत्र पूरा विश्व में माना जाता है, हमारी संसदीय परम्परा की भी पूरे विश्व में लोग मिसाल दे सकें । यही मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं ।

मुझे आशा है कि सभी माननीय सदस्य, आपने मुझे जो यह जिम्मेदारी दी है, मैं आप सबकी जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन कर सकूं । निष्पक्ष रूप से, निर्बाध रूप से सदन चलाने में आप मेरा सहयोग करेंगे । आप निश्चित मानिए कि आप सदन में संख्या में कितना भी कम होंगे, लेकिन आपकी हर बुनियादी बातों का संरक्षण करने की मेरी जिम्मेदारी है, जिसे मैं निश्चित रूप से निभाने की कोशिश करूंगा ।

वन्दे मातरम् ।